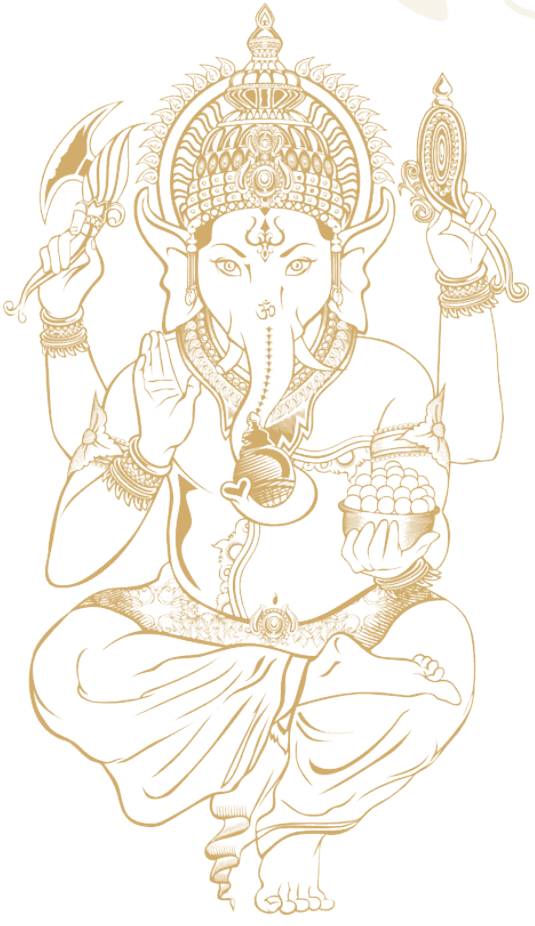

Jagmal siyag

04 Aug 2020

12:15 AM

Sanchor

Model: web-freekundliweb

Order No: 121779604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/08/2020**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:15:00 घंटे**
इष्ट	45:08:58 घटी
स्थान	**Sanchor**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:45:00 उत्तर
रेखांश	71:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:42:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:32:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:11 घंटे
साम्पातिक काल	20:23:53 घंटे
सूर्योदय	06:11:24 घंटे
सूर्यास्त	19:25:04 घंटे
दिनमान	13:13:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:44:03 कर्क
लग्न के अंश	22:15:55 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:15:55	421:37:14	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कर्क	17:44:03	00:57:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	19:06:26	12:49:39	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	25:16:52	00:25:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध			कर्क	03:18:52	01:49:49	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	25:41:13	00:06:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			मिथु	02:24:27	00:52:34	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि	व		मक	03:29:34	00:04:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु	व		मिथु	04:18:55	00:06:25	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	04:18:55	00:06:25	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मेष	16:29:39	00:00:35	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	26:22:50	00:01:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	29:08:58	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मक	09:30:54	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:25

लग्न-चलित

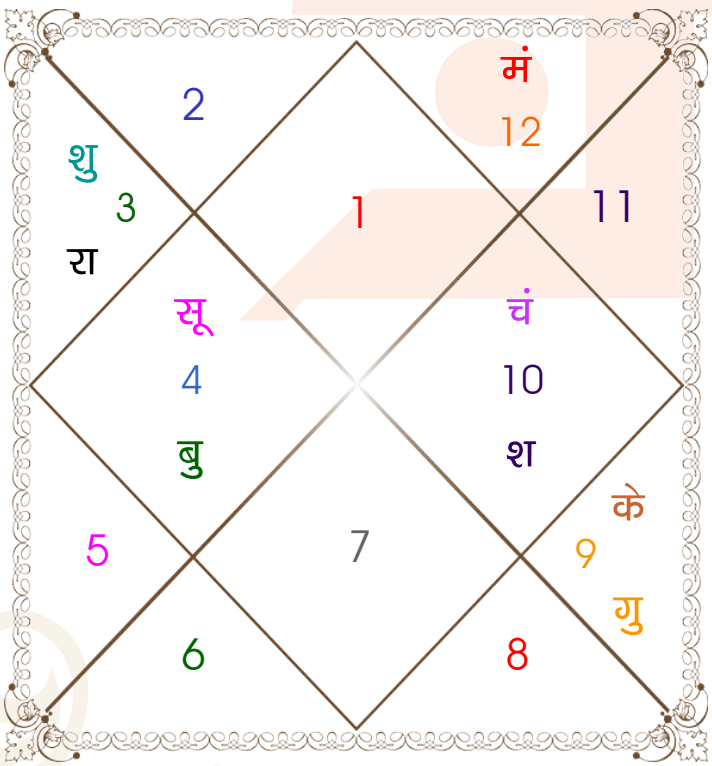

चन्द्र कुंडली

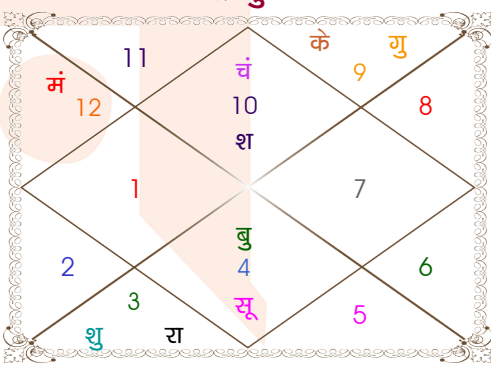

नवमांश कुंडली

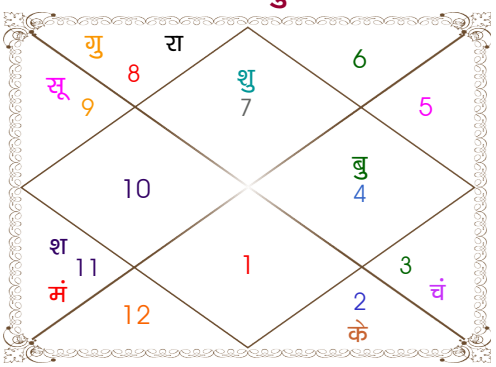

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 2 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/08/2020		05/10/2023		05/10/2030		04/10/2048		04/10/2064	
05/10/2023		05/10/2030		04/10/2048		04/10/2064		05/10/2083	
	00/00/0000	मंगल	02/03/2024	राहु	17/06/2033	गुरु	23/11/2050	शनि	08/10/2067
	00/00/0000	राहु	21/03/2025	गुरु	11/11/2035	शनि	05/06/2053	बुध	17/06/2070
	00/00/0000	गुरु	25/02/2026	शनि	17/09/2038	बुध	11/09/2055	केतु	27/07/2071
	00/00/0000	शनि	06/04/2027	बुध	05/04/2041	केतु	17/08/2056	शुक्र	26/09/2074
	04/08/2020	बुध	02/04/2028	केतु	24/04/2042	शुक्र	18/04/2059	सूर्य	08/09/2075
बुध	04/01/2021	केतु	29/08/2028	शुक्र	23/04/2045	सूर्य	04/02/2060	चंद्र	08/04/2077
केतु	05/08/2021	शुक्र	29/10/2029	सूर्य	18/03/2046	चंद्र	05/06/2061	मंगल	18/05/2078
शुक्र	06/04/2023	सूर्य	06/03/2030	चंद्र	17/09/2047	मंगल	12/05/2062	राहु	24/03/2081
सूर्य	05/10/2023	चंद्र	05/10/2030	मंगल	04/10/2048	राहु	04/10/2064	गुरु	05/10/2083

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/10/2083		05/10/2100		06/10/2107		06/10/2127		06/10/2133	
05/10/2100		06/10/2107		06/10/2127		06/10/2133		00/00/0000	
बुध	03/03/2086	केतु	04/03/2101	शुक्र	05/02/2111	सूर्य	24/01/2128	चंद्र	06/08/2134
केतु	28/02/2087	शुक्र	04/05/2102	सूर्य	05/02/2112	चंद्र	24/07/2128	मंगल	07/03/2135
शुक्र	29/12/2089	सूर्य	09/09/2102	चंद्र	06/10/2113	मंगल	29/11/2128	राहु	05/09/2136
सूर्य	04/11/2090	चंद्र	10/04/2103	मंगल	06/12/2114	राहु	24/10/2129	गुरु	05/01/2138
चंद्र	05/04/2092	मंगल	06/09/2103	राहु	06/12/2117	गुरु	12/08/2130	शनि	06/08/2139
मंगल	02/04/2093	राहु	23/09/2104	गुरु	06/08/2120	शनि	25/07/2131	बुध	05/08/2140
राहु	20/10/2095	गुरु	30/08/2105	शनि	06/10/2123	बुध	31/05/2132		00/00/0000
गुरु	25/01/2098	शनि	09/10/2106	बुध	06/08/2126	केतु	05/10/2132		00/00/0000
शनि	05/10/2100	बुध	06/10/2107	केतु	06/10/2127	शुक्र	06/10/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 2 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।